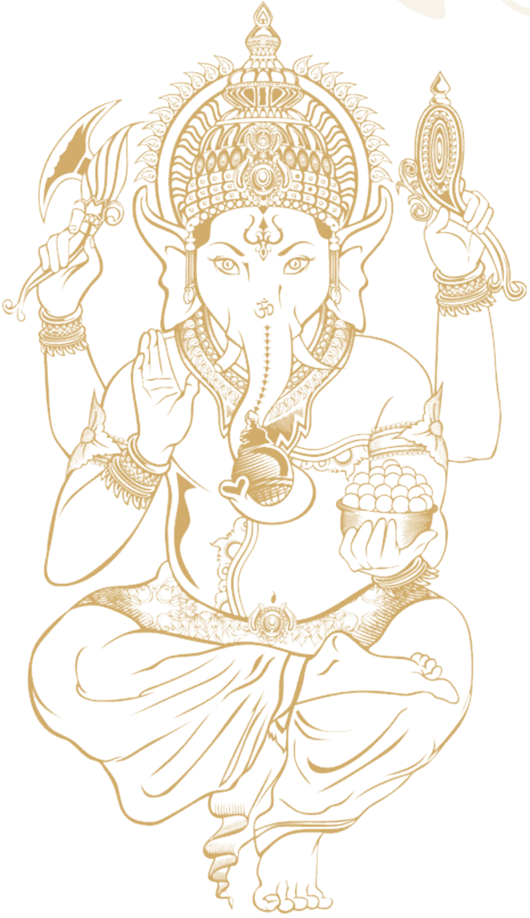

KUMAR RAJNISH

16 Feb 1976

08:24 AM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120864618

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 16/02/1976**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	**: 08:24:00 घंटे**
इष्ट	: 04:59:10 घटी
स्थान	**: Muzaffarpur**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 26:07:00 उत्तर
रेखांश	: 85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 08:35:32 घंटे
वेलान्तर	: -00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	: 18:16:30 घंटे
सूर्योदय	: 06:24:20 घंटे
सूर्यास्त	: 17:41:12 घंटे
दिनमान	: 11:16:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 03:02:08 कुम्भ
लग्न के अंश	: 12:10:57 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**: सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**: मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: अतिगण्ड
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: मूषक
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	12:10:57	498:13:54	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	03:02:08	01:00:34	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	08:53:58	14:52:24	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृष	25:02:18	00:16:09	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	सम राशि
बुध			मक	06:47:32	00:59:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	28:11:37	00:11:05	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	स्वराशि
शुक्र			मक	02:04:01	01:13:48	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	03:56:19	00:03:58	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	22:32:09	00:10:59	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	22:32:09	00:10:59	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	13:36:14	00:00:17	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
नेप			वृश्चि	20:12:45	00:00:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	17:53:05	00:01:03	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव			धनु	10:15:40	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:39

लग्न-चलित

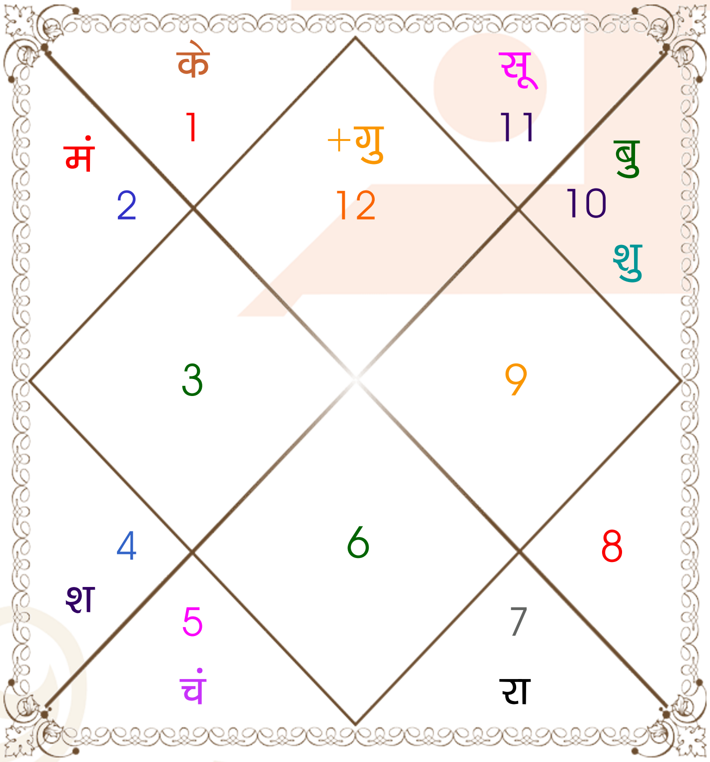

चन्द्र कुंडली

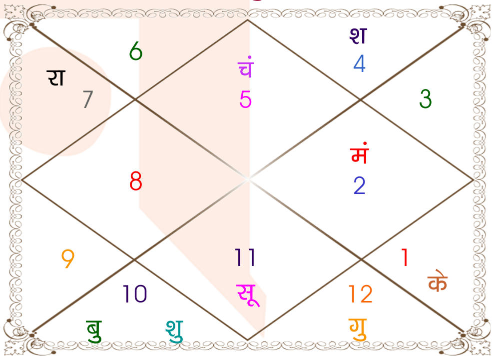

नवमांश कुंडली

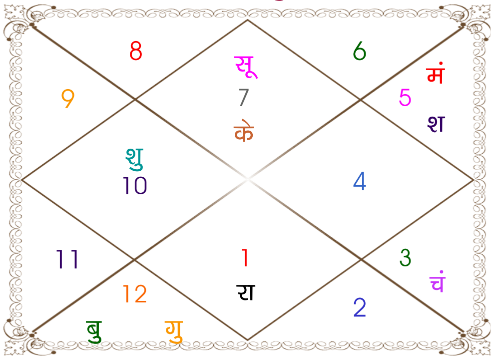

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 3 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/02/1976		15/06/1978		15/06/1998		15/06/2004		15/06/2014	
15/06/1978		15/06/1998		15/06/2004		15/06/2014		15/06/2021	
	00/00/0000	शुक्र	15/10/1981	सूर्य	03/10/1998	चंद्र	15/04/2005	मंगल	11/11/2014
	00/00/0000	सूर्य	15/10/1982	चंद्र	03/04/1999	मंगल	14/11/2005	राहु	30/11/2015
	00/00/0000	चंद्र	15/06/1984	मंगल	09/08/1999	राहु	16/05/2007	गुरु	05/11/2016
	00/00/0000	मंगल	15/08/1985	राहु	03/07/2000	गुरु	14/09/2008	शनि	14/12/2017
	00/00/0000	राहु	14/08/1988	गुरु	21/04/2001	शनि	15/04/2010	बुध	12/12/2018
	16/02/1976	गुरु	15/04/1991	शनि	03/04/2002	बुध	15/09/2011	केतु	10/05/2019
गुरु	09/05/1976	शनि	15/06/1994	बुध	07/02/2003	केतु	15/04/2012	शुक्र	09/07/2020
शनि	18/06/1977	बुध	15/04/1997	केतु	15/06/2003	शुक्र	14/12/2013	सूर्य	14/11/2020
बुध	15/06/1978	केतु	15/06/1998	शुक्र	15/06/2004	सूर्य	15/06/2014	चंद्र	15/06/2021

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/06/2021		15/06/2039		15/06/2055		15/06/2074		15/06/2091	
15/06/2039		15/06/2055		15/06/2074		15/06/2091		00/00/0000	
राहु	26/02/2024	गुरु	03/08/2041	शनि	18/06/2058	बुध	11/11/2076	केतु	11/11/2091
गुरु	22/07/2026	शनि	14/02/2044	बुध	25/02/2061	केतु	08/11/2077	शुक्र	11/01/2093
शनि	28/05/2029	बुध	22/05/2046	केतु	06/04/2062	शुक्र	08/09/2080	सूर्य	18/05/2093
बुध	15/12/2031	केतु	28/04/2047	शुक्र	06/06/2065	सूर्य	15/07/2081	चंद्र	17/12/2093
केतु	01/01/2033	शुक्र	27/12/2049	सूर्य	19/05/2066	चंद्र	15/12/2082	मंगल	16/05/2094
शुक्र	02/01/2036	सूर्य	15/10/2050	चंद्र	18/12/2067	मंगल	12/12/2083	राहु	03/06/2095
सूर्य	26/11/2036	चंद्र	14/02/2052	मंगल	26/01/2069	राहु	30/06/2086	गुरु	16/02/2096
चंद्र	28/05/2038	मंगल	20/01/2053	राहु	03/12/2071	गुरु	05/10/2088		00/00/0000
मंगल	15/06/2039	राहु	15/06/2055	गुरु	15/06/2074	शनि	15/06/2091		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 3 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।